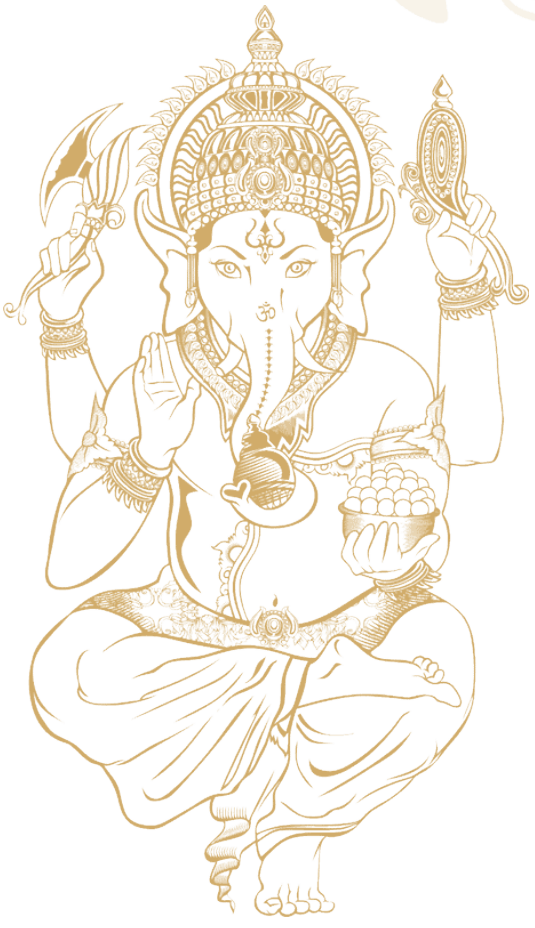

Praveen Kumar

Garima

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121621201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121621201 Date: 17/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25-26/06/1999	जन्म तिथि	15/11/1998
शुक्र-शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 01:05:00	जन्म समय	21:00:00 घंटे
घटी 49:55:07	जन्म समय(घटी)	36:51:02 घटी
India	देश	India
Azamgarh	स्थान	Azamgarh
26:03:00 उत्तर	अक्षांश	26:03:00 उत्तर
83:10:00 पूर्व	रेखांश	83:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:40	स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:06:57	सूर्योदय	06:15:35
18:52:47	सूर्यास्त	17:08:08
23:50:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:18

मेष	लग्न	मिथुन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
वृश्चिक	राशि	कन्या
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
अनुराधा	नक्षत्र	हस्त
शनि	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
1	चरण	4
साध्य	योग	प्रीति
कौलव	करण	तैतिल
ना-नवीन	जन्म नामाक्षर	ठ-ठुमकी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	वैश्य
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	महिष
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 15वर्ष 2मा 1दि		03:48:48	मेष	लग्न	मिथु	26:04:40	चन्द्र 1वर्ष 10मा 28दि	
बुध		09:57:34	मिथु	सूर्य	तुला	29:13:15	गुरु	
26/08/2014		06:01:15	वृश्चि	चंद्र	कन्या	20:47:02	14/10/2025	
27/08/2031		03:25:43	तुला	मंगल	सिंह	29:27:39	14/10/2041	
बुध	22/01/2017	05:14:06	कर्क	बुध	वृश्चि	21:26:08	गुरु	02/12/2027
केतु	19/01/2018	05:44:14	मेष	गुरु	कुंभ	24:19:50	शनि	15/06/2030
शुक्र	19/11/2020	24:27:38	कर्क	शुक्र	वृश्चि	03:21:27	बुध	19/09/2032
सूर्य	26/09/2021	19:53:05	मेष	शनि व	मेष	04:34:54	केतु	26/08/2033
चन्द्र	25/02/2023	19:47:57	कर्क व	राहु व	सिंह	03:44:39	शुक्र	26/04/2036
मंगल	22/02/2024	19:47:57	मक व	केतु व	कुंभ	03:44:39	सूर्य	13/02/2037
राहु	11/09/2026	22:28:34	मक व	हर्ष	मक	15:17:55	चन्द्र	15/06/2038
गुरु	17/12/2028	09:54:37	मक व	नेप	मक	05:53:13	मंगल	21/05/2039
शनि	27/08/2031	14:36:41	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:30:35	राहु	14/10/2041

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:18

लग्न-चलित

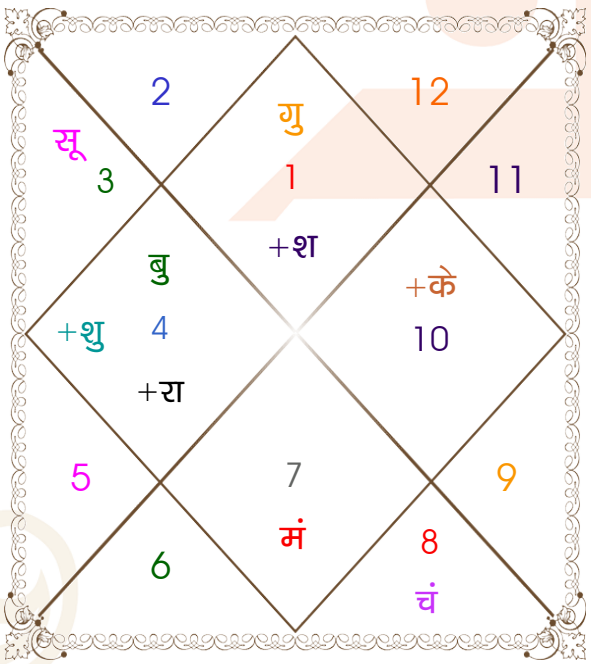

लग्न-चलित

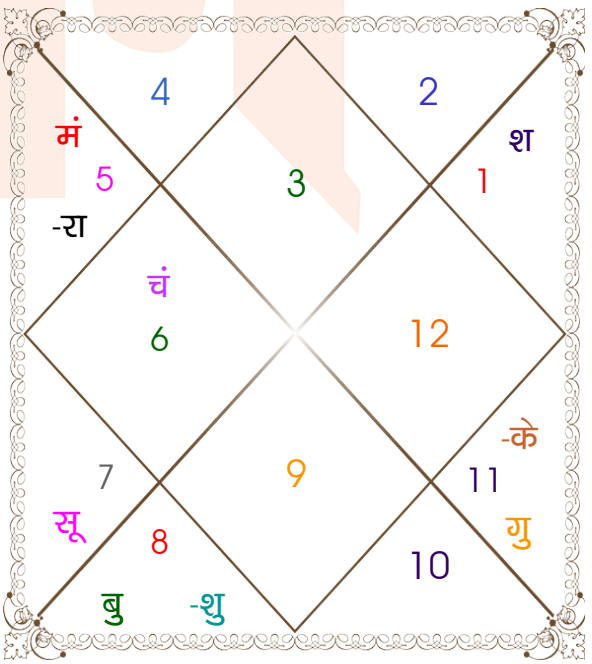

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

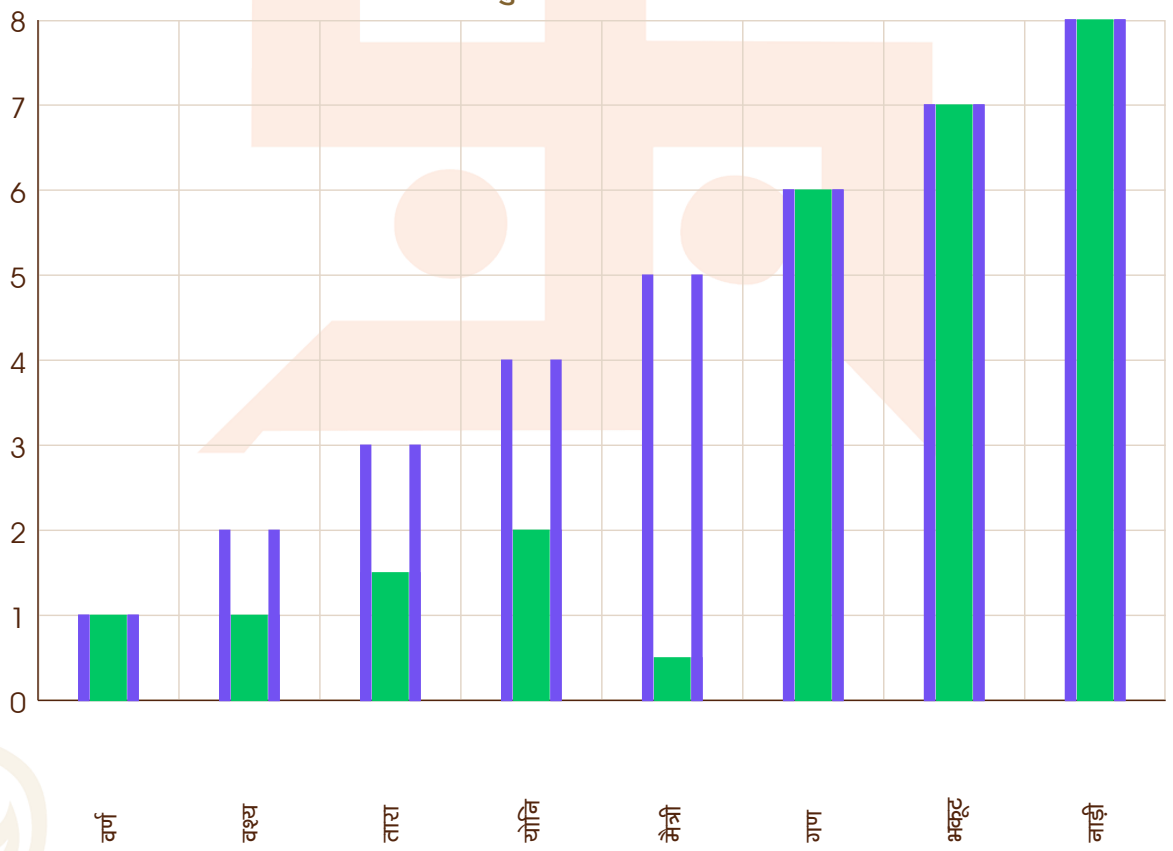

अष्टकूट मिलान

च्तंअममद ज्ञनउंत का वर्ग सर्प है तथा ळंतपउं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंअममद ज्ञनउंत और ळंतपउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंअममद ज्ञनउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि च्तंअममद ज्ञनउंत कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ळंतपउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ळंतपउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तंअममद ज्ञनउंत तथा ळंतपउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

च्तंअममद ज्ञनउंत का वर्ण ब्राह्मण तथा ळंतपउं का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। ळंतपउं सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। ळंतपउं मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

च्तंअममद ज्ञनउंत का वश्य कीट है एवं ळंतपउं का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट च्तंअममद ज्ञनउंत एवं मनुष्य ळंतपउं के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। च्तंअममद ज्ञनउंत एवं ळंतपउं बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

च्तंअममद ज्ञनउंत की तारा प्रत्यरि तथा ळंतपउं की तारा साधक है। च्तंअममद ज्ञनउंत की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत च्तंअममद ज्ञनउंत कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप ळंतपउं को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

च्तंअममद ज्ञनउंत की योनि मृग है तथा ळंतपउं की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा

भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में च्तंअममद ज्ञनउंत का राशि स्वामी ळंतपउं के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि ळंतपउं का राशि स्वामी च्तंअममद ज्ञनउंत के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

च्तंअममद ज्ञनउंत का गण देव तथा ळंतपउं का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

च्तंअममद ज्ञनउंत से ळंतपउं की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा ळंतपउं से च्तंअममद ज्ञनउंत की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण च्तंअममद ज्ञनउंत परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर ळंतपउं हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

च्तंअममद ज्ञनउंत की नाड़ी मध्य है तथा ळंतपउं की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

च्तंअममद ज्ञनउंत की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा ळंतपउं की राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या राशि है। नैसर्गिक रूप से जल एवं पृथ्वी में समानता का भाव विद्यमान रहता है। अतः च्तंअममद ज्ञनउंत और ळंतपउं की स्वभावगत विशेषताओं में समानता रहेगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता होगी फलतः वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः यह मिलान शुभ रहेगा।

च्तंअममद ज्ञनउंत की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा ळंतपउं की जन्म राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं शत्रु राशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से यदा कदा दोनों के मध्य मतभेद तथा तनाव का भाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा परन्तु ळंतपउं की प्रवृति सामंजस्य युक्त रहेगी। अतः अप्रिय स्थिति को दूर करने में ळंतपउं सफल रहेंगी जिससे संबंध सामान्य हो जाएंगे।

च्तंअममद ज्ञनउंत एवं ळंतपउं की जन्म राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी। अतः एक दूसरे के प्रति मन में सहयोग एवं सदभाव उत्पन्न होगा तथा सुख दुख में सहयोग करने के लिए तत्पर होंगे। साथ ही मित्रों की भांति कमियों की उपेक्षा करके एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे। इससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता का भाव उत्पन्न होगा तथा वैवाहिक जीवन में सुख शांति तथा समृद्धि बनी रहेगी।

च्तंअममद ज्ञनउंत का वश्य कीट एवं ळंतपउं का वश्य मानव है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में भिन्नता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग रहेंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे।

च्तंअममद ज्ञनउंत का वर्ण ब्राह्मण तथा ळंतपउं का वर्ण वैश्य है। अतः च्तंअममद ज्ञनउंत की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में प्रवृत होगी लेकिन ळंतपउं धनार्जन संबंधी कार्यो में तत्पर रहेंगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगी।

धन

च्तंअममद ज्ञनउंत और ळंतपउं की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। च्तंअममद ज्ञनउंत एवं ळंतपउं की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से च्तंअममद ज्ञनउंत और ळंतपउं की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

च्तंअममद ज्ञनउंत को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार च्तंअममद ज्ञनउंत और ळंतपउं धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

च्तंअममद ज्ञनउंत की नाड़ी मध्य तथा ळंतपउं की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओं से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु ळंतपउं के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगों से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगों से भी उनको जीवन में यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से च्तंअममद ज्ञनउंत और ळंतपउं को उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगा तथा कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संतति अधिक रहेगी।

प्रसव संबंधी कष्ट के लिए आप को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। इनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इससे संबधित कोई भी समस्या नहीं होगी। ळंतपउं सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी पूर्ण रूपेण स्वस्थता की अनुभूति करेंगी। इससे च्तंअममद ज्ञनउंत और उसके परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

च्तंअममद ज्ञनउंत और ळंतपउं की संततियां व्यवहारकुशल एवं माता पिता के लिए आज्ञाकारी रहेंगी तथा अपने बच्चों की प्रगति से दोनों सन्तुष्टि एवं आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी वे स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमत्ता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके उत्कृष्ट कार्य कलापों से च्तंअममद ज्ञनउंत और ळंतपउं अपने आप को भाग्यशाली समझेंगे। इनकी संततियां कभी भी उनकी इच्छा के विपरीत कोई भी कार्य नहीं करेंगी जिससे माता पिता को उन पर गर्व रहेगा। इस प्रकार सुदंर, आज्ञाकारी एवं बुद्धिमान संतति से युक्त होकर च्तंअममद ज्ञनउंत और ळंतपउं का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं आनंद से व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ळंतपउं के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत ळंतपउं के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

ळंतपउं अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार ळंतपउं के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

च्तंअममद ज्ञनउंत के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को च्तंअममद ज्ञनउंत अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी च्तंअममद ज्ञनउंत के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण च्तंअममद ज्ञनउंत के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।